लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1917

30 जुलाई, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

1917. श्री शिशिर कुमार अधिकारी:
श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में इस्पात क्षेत्र के सरकारी उपक्रमों में 'कोई-निवेश-नहीं' नीति अपनाने का निर्णय लिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और 'सेल' की सहायक कंपनियों में रणनीतिक निवेश की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) सेलम इस्पात संयंत्र सहित सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों द्वारा शुरू की गई आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन विस्तार कार्यों के कार्यान्वयन में देरी हुई है और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं तथा इसके कार्य-निष्पादन की संयंत्र-वार वर्तमान स्थिति क्या है और इन्हें कब तक पूरा करने की संभावना है;

(घ) इस विस्तार-कार्य पर किए गए/किए जाने वाले कुल व्यय का ब्यौरा क्या है तथा गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान कुल कितने इस्पात का उत्पादन किया गया और उक्त कार्य के पूरे होने के बाद कुल उत्पादन क्षमता में संयंत्र-वार कितनी वृद्धि होने की संभावना है;

(ङ) क्या उक्त विस्तार योजना से रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के विभिन्न संयंत्रों में वर्तमान में श्रमिकों की कुल संख्या का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की स्थापना के लिए जिन परिवारों की जमीन ली गई थी, उनके कानूनी वारिसों को पर्याप्त रूप से मुआवजा दिया गया है और रोजगार प्रदान किया गया है; और

(छ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा सरकार द्वारा इस संबंध में किस नीति का पालन किया जा रहा है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): जी नहीं। सरकार ने देश के इस्पात पीएसयू में 'कोई निवेश नहीं' की नीति पर कोई निर्णय नहीं लिया है। भारत सरकार ने सेल की तीन यूनिटों अर्थात् सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी), अलॉय

इस्पात संयंत्र (एएसपी) और विश्वेश्वरैया लोहा एवं इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) के योजनागत विनिवेश के लिए दिनांक 27 अक्टूबर 2016 को 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान कर दिया है। अलॉय इस्पात संयंत्र हेतु अभिरूचि प्रकटीकरण जारी किया गया था और इस संबंध में प्रतिक्रिया प्राप्त हो गई है।

(ख) से (घ): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य का संयंत्र-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ङ): जी हाँ। ब्यौरे **अनुलग्नक-II** के रूप में संलग्न हैं।

(च) और (छ): जी हाँ। सेल और आरआईएनएल ने विस्थापित श्रेणी के अंतर्गत क्रमशः 28,000 और 7,650 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है तथा प्रतिपूर्ति की राशि संबंधित राज्य सरकारों के पास जमा कर दी गई थी।

******

अनुलग्नक-I

(लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1917 दिनांक 30.07.2018)

<u>आधुनिकीकरण, विस्तार, खर्च और उत्पादन योजनाएं</u>

<u>सेल की इकाइयाँ</u>

1. सेल ने 12.8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की अपनी क्रूड इस्पात क्षमता को 21.4 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य शुरू किया था। आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य के लिए संकेतात्मक निवेश 61,870 करोड़ रुपये है। आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य, खान और संबंधित सस्टीनेंस स्कीमों पर जून, 2018 तक 67,767 करोड़ रुपये का संचयी व्यय हो चुका है।
2. उत्पादन क्षमता (वर्तमान और विस्तारित), संकेतात्मक निवेश/खर्च और जून, 2018 तक कुल संचयी व्यय का प्रमुख संयंत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

संयंत्र	**क्रूड इस्पात की वर्तमान क्षमता (एमटीपीए)**	**विस्तारित क्रूड इस्पात क्षमता (एमटीपीए)**	**अनुमोदित लागत (करोड़ रुपये में) (सकल)**	**खर्च (जून, 2018 तक) (करोड़ रुपये में) (सकल)**
भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	3.93	7.0	18,847	18,832
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	1.8	2.2	3,164	3,140
राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)	1.9	4.2	12,922	12,665
बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	4.36	4.61	6,951	6,076
इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	0.5	2.5	17,961	18,719
सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)	-	0.18	2,138	2,373

3. विगत तीन वर्षों के दौरान सेल द्वारा क्रूड इस्पात और विक्रय इस्पात का उत्पादन नीचे दिया गया है:-

मदें (मिलियन टन)	2015-16	2016-17	2017-18
क्रूड इस्पात उत्पादन	14.3	14.5	15.0

4. आधुनिकीकरण और विस्तार को पूरा करने का संयंत्र-वार ब्यौरा (समय-सूची/वास्तविक) नीचे दिया गया है:-

संयंत्र	**समय-सूची**	**वास्तविक**
सेलम इस्पात संयंत्र	मार्च, 2010	सितंबर, 2010
राउरकेला इस्पात संयंत्र	मार्च, 2013	दिसंबर, 2014
इस्को इस्पात संयंत्र	दिसंबर, 2010	दिसंबर, 2014
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	दिसंबर, 2012	जून, 2015
बोकारो इस्पात संयंत्र	दिसंबर, 2011	सितंबर, 2015
भिलाई इस्पात संयंत्र	मार्च, 2013	जून, 2018

5. <u>क्रियान्वयन में विलंब के कारण</u>:-

क) सेल द्वारा क्षमता वृद्धि हेतु विस्तार योजनाएं आर्थिक वृद्धि (2006 से आगे) के दौरान शुरू की गई थी। निर्माण और ढाँचागत कार्य इत्यादि को करने में सीमित प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं की अनिच्छा, जिसके फलस्वरूप टर्नकी पैकेज बंट गए हैं, विविध एजेंसियों की लिप्तता के कारण आंतरिक समस्या उत्पन्न हुई है।

ख) परियोजनाओं के मुख्य रूप से ब्राउन फील्ड होने के कारण विद्यमान प्रौद्योगिकी में नई प्रौद्योगिकी की रिट्रो-फीटिंग की चुनौतियों का सामना करना पड़ा तथा सुगठित ले-आऊट होने के कारण स्थान की उपलब्धता एक बड़ी समस्या थी जिससे इंटरफेस और लॉजिस्टिक्स की समस्याएं उत्पन्न हुई।

ग) संसाधनों की कमी/संसाधनों को कम जुटाया जाना तथा ठेकेदारों की वित्तीय अड़चनों का होना जिसके फलस्वरूप खरीद में जोखिम शामिल था और कुछ मामलों में दोबारा से ऑर्डर देने पड़े।

<u>आरआईएनएल</u>

<u>6.3 एमटीपीए विस्तार की स्थिति</u>:

1) आरआईएनएल ने अपनी तरल इस्पात को वर्तमान 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढाकर 6.3 एमटीपीए करने के क्षमता विस्तार कार्य को अप्रैल, 2015 में पूरा कर लिया है। बड़ी यूनिटों का आधुनिकीकरण और तरल इस्पात का 7.3 एमटीपीए तक अपग्रेडेशन दिसंबर, 2017 में पूरा कर लिया था।

2) विलंब के प्रमुख कारणों में सिविल ढाँचा/वैद्युत/आपूर्ति पैकेजों इत्यादि से संबंधित ठेकागत विलंब शामिल है, जिनमें लंबी मानसून अवधि और 12 अक्टूबर 2014 को भी विशाखापट्टनम में आए हुदहुद तुफान, जिसके फलस्वरूप निर्माण स्थल पर अस्थायी रूप से बाढ़ आई है, जैसे बाहरी घटक शामिल हैं। इससे उपस्कर/मशीन और विद्युत लाइनों समेत विस्तार क्षेत्र को नुकसान हुआ है।

3) आरआईएनएल ने 12,291 करोड़ रुपये की अनुमोदित लागत से विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र का विस्तार कार्य शुरू किया है। 3 एमटीपीए से 6.3 एमटीपीए तक के विस्तार कार्य में कुल 12,095 करोड़ रुपये का कुल खर्च हुआ है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल ने 3530 करोड़ रुपये की अनुमोदित लागत से पुरानी यूनिटों का आधुनिकीकरण/अपग्रेडेशन शुरू किया था। यूनिटों के आधुनिकीकरण/अपग्रेडेशन पर 2754 करोड़ रुपये खर्च किया गया था।

4) विगत तीन वर्षों के दौरान क्रूड इस्पात का उत्पादन निम्नवत् है:-

यूनिट: मिलियन टन

वर्ष	**वास्तविक उत्पादन**
2015-16	3.64
2016-17	3.96
2017-18	4.73

अनुलग्नक-II

(लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1917 दिनांक 30.07.2018)

1. दिनांक 01.07.2018 की स्थितिनुसार, वर्ष 2009-10 से आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए भर्ती किए गए कर्मचारियों की संख्या निम्नवत् है:-

संयंत्र	**भर्ती**
बीएसपी	1920
डीएसपी	396
आरएसपी	1786
बीएसएल	802
आईएसपी	3698
एसएसपी	238
कुल	**8840**

2. सेल के पाँच एकीकृत इस्पात संयंत्रों में कुल वर्तमान जनशक्ति निम्नवत् है:-

संयंत्र	**दिनांक 01.07.2018 के अनुसार जनशक्ति**
बीएसपी	22015
डीएसपी	9356
आरएसपी	14275
बीएसएल	13057
आईएसपी	6710
अन्य संयंत्र/इकाई	10076
कुल	**75489**

*****